HTML का परिचय और इसकी अवधारणा

Chapter - 2

HTML का परिचय (Introduction of HTML)

HTML का पूरा नाम Hyper Text Markup Language हैं इन्टरनेट के लिए HTML की खोज Tim Berners Lee (टिम बर्नर्स ली) ने की थी HTML बेव प्रोग्राम की सबसे आसान व अत्यधिक प्रचलित भाषा हैं इसमें बनाये गए वेब पेज में सामान्यत: साधारण टेक्स्ट शामिल किये जाते हैं | वेब पेज बनाने के लिए हम हायपर टैक्स्ट मार्कअप भाषा (Hyper Text Markup Language) की सहायता लेते हैं। हायपर टैक्स्ट मार्कअप भाषा सामान्य टैक्स्ट को हायपर टैक्स्ट में बदलने की क्षमता रखता हैं।

HTML की अवधारणा (Concept Of Hypertext)

हायपरटैक्स्ट (Hypertext) मूलभूत रूप से साधारण टैक्स्ट की तरह ही होता हैं। इसे साधारण टैक्स्ट की तरह ही पढ़ा, संचित किया जा सकता हैं, इसके अलावा उसमें नया टैक्स्ट भी जोड़ा जा सकता हैं। हाइपरटैक्स्ट की विशेषता यह हैं कि यह टैक्स्ट में अन्य दस्तावेजों के साथ सम्बन्ध रखता हैं।

किसी हाइपरटैक्स्ट सिस्टम में यदि हम माउस से हाइपरटैक्स्ट को चिन्हित करते हैं तो हमें एक दूसरा डॉक्यूमेन्ट (The history of Hyper text) प्राप्त होता हैं। इसी प्रकार इस डॉक्यूमेन्ट में हाइपरटैक्स्ट किसी अन्य डॉक्यूमेंन्ट से जुड़ा (Link) हुआ या सम्बधिन्त हो सकता हैं। यह हाइपरटैक्स्ट लिंक, हाइपर लिंक (Hyperlink) कहलाते हैं। इस प्रकार हम हाइपरटैक्स्ट की सहायता से जटिल से जटिल वेब लिंक बना सकते हैं।

वेब का सम्पूर्ण कार्य हाइपरटैक्स्ट पर निर्भर करता हैं। हाइपरटैक्स्ट से सम्बन्धित एक शब्द है हाइपर मीडिया, हाइपरटैक्स्ट को विभिन्न चित्रों, चलचित्रों, ध्वनियों से भी जोड़ता हैं। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि हाइपर मीडिया हाइपरटैक्स्ट को मल्टी मीडिया से जोड़ता हैं।

HTML के बेसिक टैग और उनके सिंटेक्स

HTML का basic syntax इस प्रकार होता है।

```
<html>
<head>
<title>

___________________-
</title>
</head>
<body>
```

</body>
</html>

हर एक webpage की starting <html> tag से होती है तथा ending </html> से होती है।

head :- head tags के अंदर जो कुछ भी होता है वह कहीं भी webpage पर display नहीं होता है। head tag के अंदर title tags style tags, script tags link tags, meta tags आदि हो सकते हैं।

title tag के अंदर हम जो भी लिखते है वह उस page के title के रूप में browser tab में favicon के बाजू में दिखता है।

style tags के अंदर हम उस page की internal styling define कर सकते हैं।

link tag के द्वारा हम किसी external stylesheet को page में include कर सकते हैं।

script tags के द्वारा हम किसी external javascript को उस page में include कर सकते हैं या फिर उस page के लिए एक नई javascript लिख सकते हैं।

body :- हम उस page पर जो कुछ भी display करना चाहते हैं वह हम body tag के अंदर लिखते हैं।